भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1534
दिनांक 13 फरवरी, 2025

भारत ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) 2025

†1534. श्री योगेन्द्र चांदोलिया :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) 2025 के प्राथमिक उद्देश्य क्या हैं और वे ऊर्जा सुरक्षा, साम्यता और सततता के लक्ष्यों सहित किस प्रकार भारत की वृहत्तर ऊर्जा कार्यनीति के मानदंडों के अनुरूप हैं;
(ख) साझा ऊर्जा चुनौतियों का समाधान करने के लिए आईईडब्ल्यू 2025 द्वारा किस प्रकार उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और ग्लोबल साउथ के बीच सहयोग को सुकर बनाने का लक्ष्य है; और
(ग) अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों, विशेषकर विदेश मंत्रियों और सीईओ द्वारा इस कार्यक्रम में सहभागिता से क्या परिणाम संभावित हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख): अपने पिछले दो संस्करणों की उल्लेखनीय सफलता के आधार पर, भारत सरकार का प्रमुख ऊर्जा कार्यक्रम, भारत ऊर्जा सप्ताह, 2025 (आईईडब्ल्यू'2025) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वाधान में, भारतीय पेट्रोलियम उद्योग महासंघ (एफआईपीआई) द्वारा दिनांक 11 से 14 फरवरी, 2025 तक यशोभूमि कन्वेंशन सेण्टर, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में 120 देशों के 70,000 से अधिक प्रतिनिधियों, 700+ प्रदर्शकों और यूनाइटेड स्टेट, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, इटली, जापान, रूस आदि 10 देशों के मंडपों और 8 थीमेटिक जोनों के भाग लेने की सम्भावना है।

आईईडब्ल्यू, 2025 में सात प्रमुख कार्यनीतिक थीम (सहयोग, लचीलापन, परिवर्तन, क्षमता, डिजिटल फ्रंटियर्स, नवाचार, नेतृत्व) को शामिल किया गया है, जिसमें डीकार्बोनाइजेशन, ऊर्जा इक्विटी और कम-कार्बन अर्थव्यवस्थाओं के निमित्त व्यावहारिक समाधानों पर अधिक जोर दिया गया है।

इस कार्यक्रम में ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और ऊर्जा-न्याय को बढ़ावा देने, वैश्विक-दक्षिण की आवाज को बढ़ाने और भारत के हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में निवेश के अपार अवसरों को उजागर करने सहित सम्पूर्ण ऊर्जा परिदृश्य में भारत के परिवर्तनकारी प्रयासों को प्रदर्शित करने पर विशेष बल दिया गया है। यह नवीकरणीय ऊर्जा और अत्याधुनिक तकनीकों जैसे बैटरी भंडारण, 2-जी और 3-जी जैव-ईंधनों, ग्रीन अमोनिया और हाइड्रोजन उत्पादन में भारत की प्रगति पर भी प्रकाश डालता है, जिससे देश को संधारणीय और अभिनव ऊर्जा समाधानों में वैश्विक नेता के रूप में स्थान मिलता है। इस आयोजन के दौरान क्लीन कुकिंग पर एक मंत्रिमंडलीय गोल मेज भी आयोजित किया जाएगा।

(ग) यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों, विशेष रूप से विदेश मंत्रियों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओज) के लिए, ऊर्जा साझेदारी को मजबूत करने, निवेश की खोज करने और भारत की उदीयमान ऊर्जा नीतियों और परिवर्तन रोडमैप में अन्तरदृष्टि प्राप्त करने के अवसर प्रदान करता है।

भारत एक तेजी से बढ़ता हुआ ऊर्जा बाजार है, इसलिए सीईओज प्रमुख हितधारकों के साथ नेटवर्किंग करते हुए नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोजन, जैव ईंधन आदि सहित हाइड्रोकार्बन क्षेत्र की समग्र मूल्य श्रृंखला में व्यापार विस्तार के अवसरों को चिह्नित कर सकते हैं। यह कार्यक्रम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर भी प्रकाश डालता है, ज्ञान के आदान-प्रदान को सक्षम बनाता है तथा स्वच्छ ऊर्जा एवं संधारणीयता में नवाचारों को प्रदर्शित करता है।

****